# बच्चों को स्वर्ण प्राशन की दवा पिलाई

रुड़की | हमारे संवाददाता

क्वाड्रा हॉस्पिटल की ओर से नहर किनारे स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 65 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की खुराक पिलाई गई। शिविर में मुख्य अतिथि जेएम नमामि बंसल ने रिबन काटकर कैम्प का उदघाटन किया और छोटे बच्चों को स्वर्ण भस्म युक्त दवाई की बूंदें पिलाकर शिविर की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है। हमें इसके महत्व को समझकर इसे अपने जीवन में लाना चाहिए। संस्थान के सचिव डॉ. रकम सिंह, निदेशक मनोज कुमार गोयल, अकलंक जैन, डॉ. ऋषभ कुमार जैन ने संस्थान की ओर से जेएम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डॉ. रकम सिंह ने कहा कि क्वाड्रा संस्थान का उद्देश्य मानव सेवा के लिये बेहतर शिक्षा और बेहतर चिकित्सा देना है। बालरोग विभाग से डॉ. अनुरीता गुप्ता ने बताया कि स्वर्ण प्राशन संस्कार शिशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की आयुर्वेदीय विधि है। जिस प्रकार एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में बीमारी से बचाव के लिये टीकाकरण प्रयोग किया जाता है उसी प्रकार उसी प्रकार आयुर्वेद में इस दवा का प्रयोग किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. चारू शर्मा, प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा, डॉ. तेलू राम पंवार, डॉ. आकाशदीप, संजय सैनी, अरविन्द कुमार, खुशी आदि उपस्थित रहे।

रुड़की में गुरुवार को क्वाड्रा नर्सिंग कॉलेज के शिविर का उद्घाटन जेएम ने किया। • हिन्दुस्तान



# 65 बच्चों को पिलाई स्वर्ण प्राशन की खुराक

संवाद न्यूज एजेंसी

**क्वाड्रा अस्पताल की ओर से लगाया गया स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर**

रुड़की। पुष्य नक्षत्र में क्वाड्रा अस्पताल की ओर से आयोजित निशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर में 65 बच्चों को खुराक पिलाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने आयुर्वेद को अपनाने पर जोर दिया।

बृहस्पतिवार को कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नमामि बंसल ने किया। उन्होंने बच्चों को स्वर्ण भस्म युक्त दवाई पिलाकर शिविर की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है। हमें इसके महत्व को समझकर इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। क्वाड्रा संस्थान के सचिव डॉ. रकम सिंह, हॉस्पिटल निदेशक मनोज कुमार गोयल, अकलंक जैन, डॉ. ऋषभ कुमार जैन ने क्वाड्रा प्रबंधक समिति की ओर से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को क्वाड्रा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

बालरोग विभाग से डॉ. अनुरीता गुप्ता ने बताया कि स्वर्ण प्राशन संस्कार शिशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की आयुर्वेद विधि है। डॉ. चारू शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद में महर्षि कश्यप को शिशु रोग विशेषज्ञ माना है। शिविर में 65 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की खुराक पिलाई गई है।

इस मौके पर हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. सौरभ कुमार, प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा, डॉ. तेलू राम पंवार, डॉ. आकाशदीप, क्वाड्रा संस्थान जन संपर्क अधिकारी संजय सैनी, अरविंद कुमार, खुशी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Scanned by CamScanner

# 65 बच्चों को दी स्वर्ण प्राशन खुराक

जागरण संवाददाता, रुड़की : क्वाड्रा हॉस्पिटल की ओर से गुरुवार को नहर किनारे पुष्य नक्षत्र में निशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर आयोजित किया गया। इसमें 65 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की खुराक पिलाई गई।

शिविर में बतौर मुख्य अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नमामि बंसल ने रिबन काटकर और छोटे बच्चों को स्वर्ण भस्म युक्त दवाई की बूंदे पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है। हमें इसके महत्व को समझकर जीवन में अपनाना चाहिए। कहा कि आज आयुर्वेद से विश्व स्तर पर भारत का गौरव बढ़ रहा है। क्वाड्रा संस्थान के सचिव डॉ. रकम सिंह, हॉस्पिटल निदेशक मनोज कुमार गोयल, अंकलन जैन व डॉ. ऋषभ कुमार जैन ने क्वाड्रा प्रबंधक समिति की ओर से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. रकम सिंह ने कहा कि क्वाड्रा संस्थान का उद्देश्य मानव सेवा के लिए बेहतर शिक्षा एवं चिकित्सा देना है। जिस पर संस्थान गत दस वर्षों से कार्य कर रहा है। बालरोग विभाग से डॉ. अनुरीता ने बताया कि स्वर्ण प्राशन संस्कार शिशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की आयुर्वेदीय विधि है। जिस प्रकार एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण प्रयोग किया जाता है। उसी प्रकार आयुर्वेद में इसका उपयोग किया जाता है। पुष्य नक्षत्र में इस दवा का प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है। डॉ. चारु शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद में महर्षि कश्यप को शिशु रोग विशेषज्ञ माना गया है। उन्होंने ही स्वर्ण प्राशन कल्प ईजाद किया। शुद्ध स्वर्ण, गाय का घी, शहद, अश्वगंधा ब्राह्मी, वचा, गिलोय, शंखपुष्पी जैसी औषधियों से इसे बनाया जाता है। यह बच्चों की स्मरण शक्ति और रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने में कारगर सिद्ध होता है। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार, हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा, डॉ. तेल्लु राम पंवार, संजय सैनी, अरविंद कुमार, डॉ. आकाश दीप, खुशी आदि उपस्थित रहे।

## शिविर

- क्वाड्रा हॉस्पिटल की ओर से आयोजित किया गया निशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर
- आयुर्वेद हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान, इसके महत्व को समझकर जीवन में अपनाएं

रुड़की के नहर किनारे स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर का फीता काटकर शुभारंभ करती ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नमामि बंसल। आयोजक संस्था

Scanned by CamScanner